BOARD QUESTION PAPER: MARCH2014
HINDI (15)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 80**

प्र.1 अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्य-पाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : (2)

1. पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो _____ ।
   (अ) अपनी भोली बहू से।
   (ब) धार्मिक क्रिया-कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।
   (क) मिसरानी द्वारा दी हुई मौलिक सलाह से।
2. विदेशी विद्वान राष्ट्रपति भवन में पहुँचे तब _____ ।
   (अ) शाम हो गई थी।
   (ब) ठीक चार बजे थे।
   (क) दोपहर हो गई थी।

आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्य-पाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए : (3)

1. अश्वारोही के सारे शरीर का _____ उबल-सा रहा था।
2. फिर कृति कैसे _____ हो सकती है।
3. आनंदभवन _____ से भरा हुआ था।

इ) निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्य-पाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए : (3)

1. पलाश के लाल-लाल फूल किसके समान दिखाई देते हैं?
2. कूर्मांचल का नाम लेते ही लेखक की आँखों के आगे कौन-सी तस्वीर खड़ी हो जाती है।
3. लेखक ने किसकी आँखों में और क्यों टावेल लगाया?
4. महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला किया?
5. मैनेजर के लिए किस ऑफिस से पाँचवाँ फ़ोन आया था?

ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से कोई <u>एक</u> वाक्य किसने किस संदर्भ में कहा है? पठित गद्य-पाठ के आधार पर लिखिए : (2)

1. "इतनी जल्दी ताला-वाला क्यों लगा दिया आज....।"
2. "मेरे लिए कामयाबी का अर्थ है – सबसे ज्यादा चुनौतियों का सामना करना।"

उ) **निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्य-पाठों के आधार पर संक्षेप में (साठ-सत्तर शब्दों तक) लिखिए :** **(9)**

1. कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था?
2. राजकुमार संन्यासी को देखकर आश्चर्यचकित क्यों हो गया?
3. राष्ट्रपति और जीवनशास्त्री के बीच आनंद के क्षण को लेकर क्या बहस हुई?
4. मनुष्य जीवन में सटीक वाणी का क्या महत्त्व है?
5. महात्मा गाँधी जी को स्नान के लिए ठीक समय पर गरम पानी क्यों पहुँचाया न जा सका?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्य परिच्छेद पर आकलन हेतु दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :** **(3)**

यह पर्णपाती वृक्ष है अर्थात् वर्ष में एक बार इसके सभी पत्ते गिर जाते हैं और यह पर्णविहीन हो जाता है। सामान्यतया सर्दियों के मौसम में इसके पत्ते गिरते हैं और गर्मियों के मौसम में फूलों के समाप्त होते-होते नए पत्ते निकलने आरंभ हो जाते हैं। पलाश का वृक्ष जब तक एक छोटी झाड़ी के रूप में होता है, तभी इसमें बड़े-बड़े पत्ते निकलने लगते हैं। समान्यतया यह देखा गया है कि जहाँ फूल निकलते हैं, वहाँ पत्ते नहीं निकलते और जहाँ पत्ते निकलते हैं वहाँ फूल नहीं निकलते।

1. पलाश को पर्णपाती वृक्ष क्यों कहा जाता है?
2. सर्दी और गर्मी में पलाश की क्या स्थिति रहती है?
3. परिच्छेद में पलाश की कौन सी ख़ासियत सूचित हुई है?

प्र.2 अ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्य-पाठों में प्रयुक्त कोष्ठक में दिये उचित शब्द से कीजिए। शब्दों को अधोरेखांकित कीजिए : **(3)**

1. और नहीं _____ में भी गति।
2. गुण ही जन-मन _____, ताज हो।
3. हिंद के बहादुरो _____ बालकों।

(किरीट, शूरवीर, खग, पंखों)

आ) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्य-पाठों के आधार पर केवल एक-एक वाक्य में लिखिए :** **(3)**

1. कबीर ने साईं से अपने लिए क्या माँगा है?
2. सुबह से हमने क्या, नहीं देखा है?
3. मेघ को किसने जुहार किया?

इ) **निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आकलन हेतु दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **(3)**

"यदि तू लौट पड़ेगा थककर,
अंधड़ कालबवंडर से डर,
प्यार तुझे करने वाले ही देखेंगे तुझको हँस-हँसकर।
खग, उड़ते रहना जीवनभर!"

1. कालबवंडर से कवि का क्या तात्पर्य है?
2. खग से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

3. अपनों द्‌वारा खग की खिल्ली कब उड़ाई जाएगी?

ई) निम्नलिखित पठित पद्‌य-खंड का सरल गद्‌यार्थ लिखिए : **(3)**

दान दिए धन ना घटे, नदी न घटे नीर।
अपनी आँखों देख लो, यों क्या कहे कबीर।

उ) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्‌य-पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **(6)**

1. ब्रजनारियाँ यशोदा माँ को अनोखा पूत जनने का उपालंभ क्यों देती हैं?
2. कवि रहीम ने धन और इज्ज़त के बारे में क्या कहा है?
3. गज़लकार दुष्यंत कुमार ने आम आदमी की मज़बूरियों को किन शब्दों में अभिव्यक्त किया है?
4. 'मेघ' रूपी 'मेहमान' के आने से प्रकृति में क्या क्या परिवर्तन हुए?

प्र.3 निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए : **(8)**

1. चंदा माँगने वाले और देने वाले लोग एक-दूसरे को किस प्रकार पहचान लेते है?
2. तुलसी में कौन-कौन-से औषधीय गुण हैं?
3. थिंफू का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
4. धनंजय ने नदी में डूबती महिलाओं को कैसे बचाया?

अथवा

निम्नलिखित दो पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए :

1. गंगा बाबू है कौन?
2. टेसी थॉमस

प्र.4. अ) निम्नलिखित दो शब्दों में से किसी एक शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **(1)**

1. धीरे-धीरे; 2. कि।

आ) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए : **(1)**

1. वाह ! कितना सुंदर बगीचा है !
2. उसकी स्थिति होटल के 'शेफ़' की तरह हो गई।

इ) कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कालपरिवर्तन कीजिए : **(1)**

1. वह लगातार रो रहा था। (पूर्ण वर्तमानकाल)
2. इतने लोग छत पाते हैं। (सामान्य भूतकाल)

ई) निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए : **(1)**

1. पलाश की लकड़ी से यज्ञ में काम आने वाले पात्र बनाए जाते हैं।
2. उसके आँसुओं ने स्पीड पकड़ ली।

अथवा

निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. दौड़ना;   2. चलना।

उ) **निम्नलिखित दो क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :** **(1)**

1. लगना;   2. पीना।

अथवा

निम्नलिखित दो वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रिया रूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :

1. रानी ने आया से बच्चे को खिलवाया।
2. भूकंप ने उन्हें नींद में ही सुलाया।

ऊ) **निम्नलिखित तीन वाक्यों में से कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए :** **(2)**

1. आवाज बहू के कान में पहुँचा।
2. तौलिया भीगकर वजनदार हो गई।
3. तुम पश्चिम की ओर जाते है।

अथवा

निम्नलिखित तीन वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों में योग्य विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए :

1. सर वह बर्तन माँजने वाली
2. हो गई पार्टी पत्नी मुस्करा रही है
3. देखिए मेनू में एक खास परिवर्तन करना हैं

ए) **निम्नलिखित पाँच मुहावरों से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :** **(3)**

1. मन लगाना   2. मस्तक नवाना
3. खिल-खिलाकर हँसना   4. नेत्र बेचकर चित्र खरीदना
5. निगल जाना।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से अधोरेखांकित तीन वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :

(खरीद लेना, मालूम होना, गवारा न करना, बहुत खुश होना)

1. उसे पता चला कि कुछ नए दूधवालों ने धंधा शुरू किया है।
2. दामू ने हलवाई से पाँच किलो मिठाई मोल ली।
3. तरह-तरह के फल देखकर बच्चे फूले नहीं समाते।

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लगभग 80 शब्दों लिखिए : (10)

1. विज्ञान के चमत्कार;
2. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर;
3. एक समाजसेवक की आत्मकथा;
4. यदि हिमालय न होता।

प्र.6 अ) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक दो पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : (4)

1. दसवीं में पढ़ने वाली/वाला सुधा/सुधीर देसाई, २०, विद्यानगर, कुडाळ से न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाळ के प्रधानाचार्य के मार्फत मा. शिक्षाधिकारी, माध्यमिक शिक्षण विभाग, जिला परिषद्, सिंधुदुर्ग को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थनापत्र लिखता/लिखती है।
2. रमेश/रमा पवार, 74, विद्याप्रसाद, प्रतापसिंह नगर, सातारा-415004 से मा. व्यवस्थापक, अजब पुस्तकालय, भवानी मंडप, कोल्हापुर को पत्र लिखकर विशेष अध्ययन के लिए मान्यवर हिंदी लेखकों की कुछ पुस्तकें मँगाता/मँगाती है।

अथवा

निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :

धुलाई के लिए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

आ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। उसे उचित शीर्षक दीजिए और यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है : (4)

चार चोर – धन चुराना – बँटवारे के लिए जंगल में जाना – भूख लगना – दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना – मन में पाप – मिठाई में जहर मिलाना – जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना – हाथ-मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना – कुँए में धकेलना – शेष दोनों का मिठाई खाना – परिणाम।

इ) निम्नलिखित अपठित गद्य-खंड पर आकलन हेतु चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों : (4)

आकाश में ग्रहों का पता लगाना जरा भी कठिन कार्य नहीं है। ये सभी सूर्य के भ्रमणपथ के आसपास ही रहते हैं। सूर्य आकाश में जिस मार्ग से खिसकता दिखाई देता है, उसे रविमार्ग कहते हैं। इस रविमार्ग के सत्ताईस समान भाग नक्षत्र और बारह समान भाग राशियाँ हैं। ये नक्षत्र या राशियाँ वर्तुलाकार के भाग हैं और इसीलिए इन्हें विभागात्मक नक्षत्र अथवा राशियाँ कहा जाता है। इनके नाम भी इन विभागों के समीप आए हुए नक्षत्रों और राशियों के अनुसार हैं। अधिक स्पष्टता के लिए इन दूसरे प्रकार के नक्षत्रों अथवा राशियों को तारात्मक नक्षत्र या राशियाँ कहा जाता है। सूर्य, चंद्रमा और ग्रह नक्षत्रों अथवा राशियों में से होकर गुजरते रहते हैं। अमुक समय में आकाश में ये सभी कहाँ दिखाई देंगे, इनका दैनंदिन ब्योरा अपने देशी पंचांगों में दिया जाता है। जिनका आकाश के तारों से परिचय है, ऐसे लोग स्थिर ग्रहों को झट पहचान लेते हैं।